TDC Part I
Paper - II^nd
Abnormal psychology

Dr Rupashree Jawar
Associate Professor

Psychophysilogical desorder

~~सामान्यतः psychophysiological मनोशारीरिक~~

सामान्यतः मनोशारीरिक विकृतियों का आशय ऐसी विकृतियों या रोगो से है जिसमे शारीरिक रोगों की उत्पत्ति में मनोवैज्ञानिक कारणों का योगदान होता है अर्थात जो शारीरिक रोग किसी न किसी सीमा तक मनोवैज्ञानिक कारणों से उत्पन्न होते है उन्हें मनोदैहिक या मनोशारीरिक विकृति कहा जाता है।

वीटेन एवं लायड के अनुसार "मनोशारीरिक रोगो का तात्पर्य ऐसे शारीरिक रोगों से है जिनकी उत्पत्ति में ~~मनोवैज्ञानिक~~ मनोवैज्ञानिक कारणों का भी योगदान होता है, जैसे संवेगात्मक तनाव या दुख"

सारसन एवं सारसन के अनुसार "मनोदैहिक विकृतियों का आशय ऐसी शारीरिक व्याधियों एवं ऊतक ~~क्षति~~ क्षति से है, जो दीर्घकालिक तनाव की अवधि में ~~शरीर~~ शरीर को सतत संवेगात्मक उद्दीपन से उत्पन्न होते हैं"

Page No.:
Date: / /

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं।

1 – ऐसा रोग मानसिक तनाव एवं अन्य मनोवैज्ञानिक कारणों से उत्पन्न होते हैं।

2 – ऐसे रोगों में शारीरिक विकृतियाँ भी पाई जाती हैं।

3 – शरीर के वे अंग जो Autonomic Nervous system के नियंत्रण में होते हैं वही इस वर्ग में आते हैं।

4 – ऐसे रोगों में मनोवैज्ञानिक कारकों की भूमिका स्पष्ट दिखाई देती है।

5 – रोगी व्यक्ति मनोवैज्ञानिक कारकों की भूमिका के बारे में चेतन स्तर से अवगत नहीं होता है।

Types of Psychosomatic disorder

1 – Cardiovascular disorder
2 - Gastrointestinal disorder
3 - Respiratory disorder
4. Skin disorder
5 ~~Gee~~ Genitourinary disorder
6. Endocrine disorder

1 — Cardiovascular disorder

इस disorder के उत्पन्न होने में ~~मनोवै~~ मनोवैज्ञानिक कारण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। Heart का कार्य रक्त को शरीर के विभिन्न भागों में संचारित करना होता है। मानव हृदय प्रतिदिन लगभग 1,00000 बार धड़कता है और 4,300 गैलन के बराबर रक्त का शरीर के विभिन्न भागों में संचारण करता है। इस disorder का आशय हृदय एवं रक्त की व्याधिकीय स्थिति से है। हृदय संबंधी रोगों में दो रोग प्रमुख है। (1) Coronary heart disease और (2) High blood pressure.

2 — Gastrointestinal disorder

इस श्रेणी के disorder में ~~पाच~~ पाचन तंत्र से संबद्ध विकृतियाँ सम्मिलित की गई जैसे — peptic ulcer, Anorexia Nervosa Bulimia, Gastritis and ~~Colitis~~ colitis

Page No.:
Date: / /

3- Respiratory disorder -
यदि किसी व्यक्ति को श्वसन सम्बन्धी समस्या हो, तो उसे मनोदैहिक Respiratory disorder कहा जाता है, इस रोग से ग्रस्त व्यक्ति को लगता है कि उसका दम घुट रहा है ~~उसके~~ उसके लोगों पर दबाव पड़ रहा है यदि व्यक्ति तनाव, चिन्ता या कुण्ठा जैसी दशाओं से ग्रस्त है तो वह इस तरह की समस्या अनुभव प्राप्त करता है।
Bronchial asthama, Common cold, Hyperventilation syndrome, and Tuberclosis disorder भी इसी रोग के अन्दर आते हैं।

4- Skin disorder - जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति की त्वचा एवं उसके चेहरे का आभास परिवर्तित ~~होता है~~ हो जाता है। त्वचा संबंधी विकृतियाँ चूँकि प्रत्यक्षतः दिखाई पड़ती हैं। इसलिए इस disorder से अधिक परेशानी अनुभव करता है। इस disorder के उत्पन्न होने पर भी psychological factors की भूमिका पाई गयी है ये दो प्रकार की होती हैं। (1) Neurodermatosis (2) Scratching and itching

5- Genitourinary disorder

कभी - कभी लोगों में पेशाब सबंधी मासिक धर्म, सबंधी, स्वतः गर्भपात - सम्बन्धी एवं लैंगिक कार्य सम्बन्धी - विकृतियाँ भी पायी जाती हैं। इसका कारण दैहिक और मनोवैज्ञानिक भी हो सकता है। यदि कारण Psychological है तो इसे Genitourinary disorder भी कहा जा सकता है।